

प्रेषक,

डा0 एस0एस0 सन्धु  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

उप निदेशक,  
राजकीय मुद्रणालय उत्तराखण्ड,  
रुड़की-हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 19 जनवरी, 2007

विषय: राजकीय मुद्रणालय की आवासीय कालोनी में नवनिर्मित आवासीय भवनों की खाली जगह का भराव एवं मुख्यद्वार-पुराने भवनों से गुजरती हुई नये भवनों तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 4185/स्था0 दिनांक: 12.12.2006 के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु राजकीय मुद्रणालय रुड़की के आयोजनागत पक्ष के 04-राजकीय मुद्रणालय के भवनों का निर्माण/जीर्णोद्धार, 24-वृहत निर्माण कार्य योजनान्तर्गत राजकीय मुद्रणालय की आवासीय कालोनी में नवनिर्मित आवासीय भवनों की खाली जगह का भराव हेतु रु0 5.80 लाख एवं मुख्यद्वार से पुराने भवनों से गुजरती हुई नये भवनों तक सड़क निर्माण हेतु रु0 14.24 लाख कुल रुपये 19.84 लाख की लागत के आगणनों के विपरीत टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त कमशः संस्तुत रु0 14.00 लाख एवं रु0 5.55 लाख कुल रु0 19.55 लाख (रुपये उन्नीस लाख पचपन हजार मात्र) की धनराशि की लागत के आगणन पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निवर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से वित्तीय नियमों का उल्लंघन होता हो यह करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका/बजट मैनुअल के नियमों का पालन भी सुनिश्चित किया जाय। उक्त धनराशि का उपयोग भवन निर्माण/आवास संबंधित परिव्यय के अनुरूप ही किया जावेगा।

3- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृति नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

6- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्चाधिकारियों/भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

- 7- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 9- वर्षान्त तक स्वीकृत की गयी धनराशि के विपरीत व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं योजना की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो दिनांक: 31.03.2007 तक शासन को समर्पित किया जायेगा। व्यय उन्हीं योजना/कार्यों पर किया जाय जिन कार्यों हेतु यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 10- उपरोक्त धनराशि आहरित कर सम्बन्धित निर्माण एजेंसी उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि०, रुड़की को आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराई जायेगी। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के लिए सम्बन्धित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 11- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-23, मुख्य लेखाशीर्षक 4058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण पर पूंजीगत परिव्यय, 00-आयोजनागत, 103-सरकारी मुद्रणालय, 04-राजकीय मुद्रणालय के भवनों का निर्माण/जीर्णोद्धार-00, 24-बृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 12- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 2079/XXVII(2)/2006 दिनांक 17 जनवरी, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० एस०एस० सन्धु)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 5319(1)/VII-1-06/15 ए०मु०/04, तददिनांकित।  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, रुड़की-हरिद्वार।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, उद्योग, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय उत्तराखण्ड, रुड़की-हरिद्वार।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(डा० एस०एस० सन्धु)  
सचिव।



प्रेषक,

आर0के0 चौहान,  
अनुसचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,  
उत्तरांचल, हल्द्वानी,

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक: 23 दिसम्बर, 2006

विषय: राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, एकेश्वर, अमोठा के आवासीय /अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्रांक 4306-08/डीटीईयू/भवन/अमोठा/06, दिनांक 28-10-2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, एकेश्वर, अमोठा के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु कार्यदायी संस्था उत्तरांचल पेयजल निगम इकाई-श्रीनगर द्वारा प्रस्तुत रुपये 132.30 लाख के आगणन के तत्पश्चात् टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरांत संस्तुत रुपये 107.74 लाख के आगणन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए संस्तुत धनराशि के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2006-07 में कुल रुपये 50 लाख (रुपये पचास लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है, मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3- स्वीकृत धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। व्यय उसी मदों/प्रयोजन में किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है। व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

4- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

5- कार्य करते समय टेंडर आदि विषयक विषयों का भी अनुपालन किया जावेगा।

6- कार्य करने के पूर्व किसी तकनीकी अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो तो वो प्राप्त करके ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

- 7- कार्य इसी लागत में पूर्ण कर लिया जायेगा और यदि विलम्ब या अन्य कारणों से इसकी लागत में बढ़ोत्तरी होती है तो उसके लिये कोई अतिरिक्त धनराशि देय नहीं होगी।
- 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
- 9- टी0ए0सी0 के निम्न बिन्दु 1 से 9 तक में दर्शायी गयी शर्तों/प्रतिबन्धों का पूर्ण रूप से नुपालन कराया जाये।
  - 1- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति निम्नानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।
  - 2- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जायें।
  - 3- कार्य का उतना ही व्यय किया जाये, जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जायें।
  - 4- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
  - 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
  - 6- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांती निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
  - 7- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
  - 8- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जायें।
  - 9- जी0पी0डब्लू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
  - 10- मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनादेश संख्या 2047.XIV-219 (2006) दिनांक 30.5.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 10- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिनके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 11- कार्य करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन किया जायेगा।



- 12- उक्त निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक माह शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- 13- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु अनुदान संख्या-16 मुख्य लेखाशीर्षक-4216-आवास पर पुर्णित परियोजना, 80-सामान्य, 001-निर्देशन तथा प्रशासन, 07-राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का सुदृढीकरण के सुसंगत मानक मद 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: यू0ओ0: 754/XXVII(5)/2006, दिनांक 19-दिसम्बर, 2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(आर0के0 चौहान)  
अनुसचिव।

पुष्पांकन संख्या: 1970(1)/VIII/75-प्रशि0/2006, तददिनांकित :-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
- 3- जिलाधिकारी, पौड़ी।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौड़ी।
- 5- परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल निगम इकाई-1 श्रीनगर को संशोधित आंगणन की प्रति सहित।
- 6- वित्त अनुभाग-5
- 7- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 8- एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
- 9- निजी सचिव, मा0 श्रम मंत्री जी।
- 10- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(आर0के0 चौहान)  
अनुसचिव।



प्रत्येक

संख्या: 2183/VIII/06-10-प्रशि0/2006

विजय कुमार डोडियाल,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में

निदेशक,  
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,  
उत्तराखण्ड, इल्हासी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

विषय: सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत (75 प्रतिशत केंद्र पुरोनिधानित योजना) आयोजनागत पक्ष में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, युवक, देहरादून एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, काशीपुर के लिए अन्य व्ययों हेतु 17.6 लाख अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

देहरादून : दिनांक: 12, जनवरी, 2007

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 19708-07/डीटीईयू/0202/लेखा/सीओई0/2006-07, दिनांक 01-12-2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि राज्य में भारत सरकार के सहयोग से संचालित की जा रही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना (75 प्रतिशत केंद्र पुरोनिधानित योजना) के अन्तर्गत भारत सरकार के पत्र संख्या: DGET-35(4)(20)/Other charges-Uttaranchal /2006-CPIU-PCT, Dated 30<sup>th</sup> Oct, 2006 के द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, युवक, देहरादून एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, काशीपुर के लिए अन्य व्ययों हेतु केंद्रों के रूप में अवमुक्त रुपये 13.2 लाख तथा उक्त केंद्रों के सापेक्ष राज्यांश रुपये 4.4 लाख इस प्रकार कुल रुपये 17.60 लाख (रुपये सत्रह लाख साठ हजार मात्र) धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त धनराशि को व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल स्वर्ण स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वी जा रही है, कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में निःसंख्यता नितान्त आवश्यक है, निःसंख्यता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये वह स्वीकृत किया जा रहा है।

3- व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल, डीजीएसएण्डडी, की दश अथवा शर्तों, टेण्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- उक्त धनराशि भारत सरकार के उपरोक्त समसंख्यक पत्र दिनांक 30-अक्टूबर 2006 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए व्यय की जाए।

5- उक्त धनराशि को 31/3/2007 तक पूर्ण व्यय करते हुये उपयोगिता तथा उपभोग प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

१



6- उक्त धनराशि उन्ही मदों में व्यय की जाय जो मदे अन्य व्यय में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित है, तथा उपरोक्त पत्र दिनांक 30-10-2006 में उल्लिखित है।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु अनुदान संख्या-16 मुख्य लेखाशीर्षक 2230-अम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण-आयोजनागत-00, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ, 0101-योजना आधुनिकीकरण एवं सुदृढीकरण (75 प्रतिशत के 0 स0) के अन्तर्गत मानक मद 42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा। यह आंवटन निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन के अधीन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, युवक, देहरादून एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, काशीपुर के लिए किया जा रहा है।

8- यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या: 13/वित्त अनु0-5/2006, दिनांक 12-जनवरी, 2007 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय

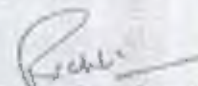
(विजय कुमार ढौडियाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2183(1)/VIII/06-10-प्रशि0/2006, तददिनांक :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/उधमसिंह नगर।
- 3- अपर सचिव, वित्त-बजट।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- वित्त अनुभाग-5
- 6- नियोजन विभाग।
- 7- अनुसचिव, अम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को उनके पत्र दिनांक 30-10-06 के क्रम में सूचनार्थ।
- 8- एन0आई0 सचिवालय परिसर।
- 9- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(अरुण के0 चौहान)  
अनुसचिव।

प्रेषक,

संख्या: 2184/VIII/11-सेवा0/2006

आर0के0 चौहान,  
अनुसचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,  
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक: 11 जनवरी, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु सेवायोजन प्रखण्ड के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में टी.एस.पी. के अधीन संचालित योजनाओं हेतु अवचनबद्ध मदों में धनराशि अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 19708/डीटीईयू/लेखा/सेवा/बजट मांग/2006, दिनांक 1.12.2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि वित्तीय वर्ष-2006-07 हेतु प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग के अन्तर्गत सेवायोजन प्रखण्ड में टी.एस.पी. के अधीन आयोजनेत्तर पक्ष में अवचनबद्ध मदों की धनराशि संलग्न-विवरणानुसार रुपये 2,25,000/- (रुपये दो लाख पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि के व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर रखी जा रही है, कि उक्त मद में आबंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3- व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएसएण्डडी, की दरों अथवा शर्तों, टेण्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- कम्प्यूटर आदि का क्रय एन0आई0सी0/आई0टी0 की संस्तुति अथवा उनके दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।



5- उक्त धनराशि को 31/3/2007 तक पूर्ण व्यय करते हुये उपयोगिता तथा उपभोग प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु अनुदान संख्या-31 मुख्य लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित लेखाशीर्षक की सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा। यह आबंटन निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन के अधीन समस्त कार्यालयों के लिए किया जा रहा है।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 07/वित्त अनु0-5/2006, दिनांक: 07-जनवरी, 2007 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय

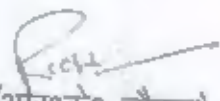
(आर0के0 चौहान)  
अनुसचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2184(1)/VIII/11-सेवा0/2006, तददिनांक :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- सम्बन्धित जनपद के कोषाधिकारी।
- 3- अपर सचिव, वित्त-बजट।
- 4- वित्त अनुभाग-5
- 5- नियोजन विभाग।
- 6- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(आर0के0 चौहान)  
अनुसचिव।

शासनादेश संख्या-2184/VIII/11-सेवा0/2006, दिनांक: 11 जनवरी, 2007 का संलग्नक:  
आयोजनेत्तर अनुदान संख्या: 31 धनराशि हजार रुपये में

मुख्य लेखाशीर्षक 2230-ग्राम तथा रोजगार

02-रोजगार सेवायें

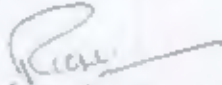
796-जनजातिय क्षेत्र उप योजना

02-कालसी देहरादून में जनजातिय के अभ्यर्थियों के लिए विशिष्ट रोजगार केन्द्र  
आंबटित धनराशि

क्र०सं०	कोड/मद	
1.	04-यात्रा व्यय	
2.	08-कार्यालय व्यय	10
3.	11-लेखन सामग्री/फार्म छपाई	20
4.	12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण	10
5.	26-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण व संयंत्र	20
6.	27-विकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	05
7.	45-अवकाश यात्रा व्यय	50
8.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर कय	50
9.	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबंधी स्टेशनरी	50
	योग :	10

225

(रुपये दो लाख पच्चीस हजार मात्र)

  
(आर०के० चौहान)  
अनुसचिव।



प्रेषक,

तारीख 860/12/64, 2006

एस0 रामास्वामी,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तरांचल परिवहन निगम,  
मेहरादून।

सबध में।

महोदय,

29/XXVII(7)/2006, दिनांक 29/12/2006

मेहरादून भत्ता अनुमत्य  
सलग्न है जिसके वि

भत्ता अनुमत्य किया गया है।

श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

शर्त के अर्धन प्रदान की जाती है कि परिवहन निगम यह सुनिश्चित कर ले, कि इस हेतु जो

जायेगी।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय

(एस० रामास्वामी)  
सचिव

2- वित्त अनुभाग-2

4- गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(दयाल सिंह नाथ)  
अपर सचिव



प्रभु

दयाल सिंह नाथ  
अपर सचिव  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में

परिवहन आयुक्त  
उत्तराखण्ड 8 रामगढ़  
कावली राड देहरादून ।

परिवहन अनुभाग

देहरादून दिनांक 19 जनवरी, 2007

विषय:- देहरादून के अन्तर्गत कुल्हान  
कार्यालय भवन आदि के निर्माण  
धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध ।

भूमि के प्रत्यावर्तन के लिए एन पी.वी. की

महोदय

उपरोक्त विषयक शासनादेश सं०-2 / 500 / IX / 2006 दिनांक 28 मार्च 2006  
एव वन विभाग के नोडल अधिकारी एव मुख्य वन संरक्षक के पत्रांक 1869/1 जी-1756  
(देहरादून) दिनांक 21-12-2006 के क्रम में पत्र संख्या-72/स्थापना/एक-7/  
2006 दिनांक 22 दिसम्बर 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री  
राज्यपाल महोदय, जगपद देहरादून के अन्तर्गत कुल्हान (करनपुर) में खसरा न०- 2 क में  
परिवहन आयुक्त कार्यालय भवन निर्माण आदि के सम्बन्ध में वन भूमि के प्रत्यावर्तन के लिए  
एन.पी.वी. की धनराशि के भुगतान हेतु रु० 4, 220/- (रुपये चार लाख उनहत्तर हजार  
दो सौ बीस मात्र ) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन प्रदान  
करते हूँ

Afforestation fund Uttaranchal V/c No CA 1594 Payable

उपलब्ध कराया जायेगा।

किया रहा है।

4

लेकर जवत कार्य तत्काल प्रारम्भ करते मासिक वित्तीय व भौतिक प्रगति से शासन का भी अवगत करा जायेगा।

-050-भूमि तथा भवन-03-परिवहन आयुक्त, जनपदीय कार्यालयों के अनावारीय भवन भूमि क्र-00-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

भवदीय

(दयाल सिंह नाथ)  
अपर सचिव।

संख्या-44 (i)/ix/2007 तदुदिनांक

2 - आयुक्त गढ़वाल मण्डल पी.डी.उत्तराखण्ड।

इन्दानगर फास्ट कोलोनी देहरादून उत्तराखण्ड।

4- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।

राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय देहरादून।

7- वित्त अनुभाग 2/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

( गरिम सौकली )

उप सचिव



उत्तराखण्ड शासन  
माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-4  
सं० 406 / xxiv-4/2007  
देहरादून दिनांक 19 जनवरी, 2007

कार्यालय ज्ञाप

उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा अधिनियम 2006 के धार 5 एवं 6 (1) के अन्तर्गत निम्न व्यवस्था के क्रियान्वयन के उद्देश्य से श्री राज्यपाल महोदय एतद्वारा उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद के नियुक्त गठन की सहय स्वीकृति प्रदान करता है।

1. निदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड	पदवी राजा पात
2. निदेशक प्राविशिक शिक्षा उत्तराखण्ड	र. वरुण
3. प्राचार्य मध्यम शिक्षा उत्तराखण्ड, देहरादून	र. वरुण
4. अपर निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उत्तराखण्ड	रा. वरुण
5. अपर शिक्षा निदेशक विद्यालयी शिक्षा निदेशालय उत्तराखण्ड	रा. वरुण
6. सचिव उत्तराखण्ड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद रामनगर नजीक ल	रा. वरुण सचिव

एस. के. माहेश्वरी  
सचिव।

संख्या UCC 4, XXIV-4/2007, उत्तराखण्ड

प्रतिनिधि निम्न लिखित की सूचना एवं आवश्यक व्यवस्था करने प्रेषित

- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक शिक्षा एवं परीक्षा, गठन शिक्षा नजीक ल।
3. निदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
4. निदेशक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
5. निदेशक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
6. निदेशक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
7. निदेशक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
8. निदेशक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
9. निदेशक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
10. निदेशक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
11. निदेशक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
12. निदेशक शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।

आज्ञा स  
(कवीन्द्र सिंह,  
अनु सचिव।

प्रेषक,

संख्या-1165/ XVI/ 06 /D(27)/05

उत्पल कुमार सिंह

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान,

गोपेश्वर (चमोली)।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 22 जनवरी, 2007

विषय: शासनादेश संख्या 849/XVI/05/10(2)/05, दिनांक 09, सितम्बर, 2005 द्वारा सृजित अस्थाई पदों की निरन्तरता की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्रांक-359/ज0बू0स0/कैम्प/2006-07/ दिनांक- 28 जुलाई 2006 तथा पत्रांक 479, ज0बू0स0/कैम्प/2006-07 दिनांक 09, नवम्बर 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश मिला है कि श्री राज्यपाल महोदय भारत सरकार से सहयोग से स्थापित प्रयोगशाला एवं सगन्ध पादप केंद्र सलाहगुई देहरादून के कार्यों के सम्पादन हेतु निम्नलिखित अस्थाई पदों को दिनांक- 01/03/2006 से दिनांक- 28/02/2007 तक अथवा उससे पूर्व जब तक इन्हे बिना पूर्व नॉमिंस अ समाप्त न कर दिया जाय निरन्तर चलते रहने की स्वीकृति सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्र.सं.	पदनाम	वैतनमान	संख्या
	2	3	4
1	वैज्ञानिक ई (गुणवत्ता नियंत्रण)	14300-18300	1
2	वैज्ञानिक ई (एग्रीकल्चर)	14300-18300	1
3	वैज्ञानिक-सी (टेक्सटोमी)	10000-15200	1
4	वैज्ञानिक बी (प्रसार)	8000-13500	1
5	वैज्ञानिक बी- (रसायन)	8000-13500	1
6	तकनीकी सहायक	6500-9000	2
7	तकनीकी सहायक	5500-9000	4
8	लैब. क्लर	5000-8000	1
9	अशासिक / वरिष्ठ लिपिक	4000-6000	2
10	कम्प्यूटर ऑपरेटर	3050-4590	1
	योग		15

- 2- उपरोक्त पदधारकों का शासन द्वारा समय-समय पर अनुमन्य महागाई भत्ता तथा अन्य भत्ते प्राप्त होंगे।
- 3- उपरोक्त पद प्रतिनियुक्ति अथवा सर्विस प्रोवाइडिंग एजेंसी के माध्यम से भरे जायेंगे।
- 4- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय व्ययक के अनुदान संख्या 29 के अन्तर्गत लेखाशोधक-2401-फसल कृषि कर्म, 00-आयोजनागत 119-बागवानी और सब्जियों की फसल 09-जड़ी-बूटी शोध संस्थान 20-सहायक अनुदान/अशदान/राजसहायता के नामे खाला जायेगा।
- 5- दिनांक-01 मार्च 2007 से आगे की निरन्तरता हेतु प्रस्ताव 28 फरवरी 2007 से पूर्व शासन को प्रस्तुत कर लिया जाय
- 6- यह आदेश वित्त विभाग द्वारा दिनांक-12/01/2007 को प्रदत्त सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(उत्पल कुमार सिंह)  
सचिव



सख्या 1165 XVI 06 D (2) / 05, तददिनांकित।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित,
- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड औराय मोटर्स बिल्डिंग भाजरा देहरादून।
  - 2- निदेशक उद्यान एव खाद्य प्रसंस्करण उद्यान भवन चौबटिया -रानीखेत,
  - 3- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग 4. उत्तराखण्ड शासन
  - 4- निदेशक/प्रभारी अधिकारी सगन्ध पादप केन्द्र सेलाकुई देहरादून
  - 5- निदेशक राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र सचिवालय परिसर देहरादून,
  - 6-गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(एस0के0सिंह)  
अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन  
कृषि एवं विपणन अनुभाग-2  
संख्या : 13/72(5)/XIII-II/2005  
दहरादून दिनांक 1 जनवरी, 2007

संशोधन

1. शासनादेश संख्या 992/XIII-II/72(5)/2005 दिनांक 3.1.07 में जनपद के क्रमांक -6 पि.रा.ग. (परियोजना प्रथम) (तृतीय किस्त) में राज्यांश की धनराशि रु. 9.5909 लाख के स्थान पर रु. 9.05909 लाख (रु. 0 नौ लाख पाँच हजार नौ सौ नौ मात्र) पढ़ा जाय।

2. शासनादेश संख्या 992/XIII-II/72(5)/2005 दिनांक 3.1.07 इस सीमा तक संशोधित समझा जाय।

शासनादेश संख्या 992/XIII-II/72(5)/2005 दिनांक 3.1.07 के अन्तर्गत प्राविधान पूर्ववत् रहेंगे।

(शैलेश कुमार सिंह)  
सचिव

संख्या 13/XIII-II/72(5)/2005 दिनांकित

प्रति सम्बन्धित अधिकारियों को सूचित के लिये।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. प्रमुख, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन।
3. सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन।
4. सचिव, कृषि, उत्तराखण्ड शासन।
5. सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुमायू मण्डल, नैनीताल।
7. जिलाधिकारी, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़।
8. कोषाधिकारी, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़।
9. मुख्य परियोजना निदेशक जलागम प्रबन्ध, चमोली बागेश्वर, पिथौरागढ़।
10. परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास, चमोली बागेश्वर, पिथौरागढ़।
11. निदेशक, भूमि संसाधन विभाग एन0बी0ओ0 बिल्डिंग, निर्माण भवन, नई दिल्ली।
12. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

(शैलेश कुमार पंत)  
अनु सचिव



संवाले

लोक निमाज अनुभाग 2

विषय : दिनांक वर्ष 2006-07 में एन पी की, भूमि प्रतिकर के भुगतान एवं क्षतिपूरक वृक्षारोपण आदि को प्रथम अनुपूरक मांग में प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति।

महोदय

स्वीकृति प्रदान करते हैं।

दावों का भुगतान अपने स्तर से आवश्यकतानुसार किया जायेगा

प्राथमिकता के आधार पर प्रथम दरीयता में किया जायेगा।

शीघ्र विभाग के नाम हस्तान्तरण कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जायगा।

प्राप्त किया जायेगा

निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा ;

भवदीय

संख्या-167(1)/11(2)/06 तद्दिनांक

- आज्ञा से  
(टी०के० पन्त)  
संयुक्त सचिव



ईन्दु कुमार पाण्डे  
अपर मुख्य सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त प्रमुख सचिव/सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

2 समस्त विभागाध्यक्ष  
उत्तराखण्ड।

सिचाई विभाग।

देहरादून: दिनांक 23 जनवरी, 2007

विषय:- सिचाई अनुसंधान संस्थान,  
शास्त्र/प्रतिकर परीक्षण एवं अन्य  
सहोदय,

सं मृदा/पदार्थ परीक्षण/जल निष्पन्न  
कराया जाय।

उपयुक्त विषय की ओर ध्यान देने पर  
निर्देश हुआ है कि तत्कालीन मुख्य सचिव, उत्तरा  
खण्ड संख्या-16 सी-1-सि/2001 दिनांक 03  
मार्च, 2001 के द्वारा यह निर्देश दिया गया  
था कि "पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश राज्य में लोक  
निर्माण विभाग एवं अन्य अभियन्त्रण विभाग  
आदि से कराये जाते थे। उत्तराखण्ड में  
संस्थापित होने के बाद से ही, इन विभागों  
अतः भविष्य में कृपया ऐसे परीक्षण कार्य  
अनुसंधान संस्थान, रुड़की को उपयुक्त उक्त कार्य  
गोपनीयता से उत्पन्न करना भी उचित होगा कि  
मुक्तमयी परीक्षण के अंतर्गत आने के कारण यह  
उपयोग होने वाली समस्त निर्माण सामग्री तथा  
प्रत्येक आवश्यक है अन्यथा निर्माण सामग्री विशि  
की अपार हानि होने की सम्भावना बढ़ जायेगी।

आवृष्ट करत हुए मुझे यह कम्पन के  
शासन के हस्ताक्षर से निर्गत कार्यालय  
सी, 2001 के द्वारा यह निर्देश दिया गया  
था कि "पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश राज्य में लोक  
निर्माण विभाग एवं अन्य अभियन्त्रण विभाग  
आदि से कराये जाते थे। उत्तराखण्ड में  
संस्थापित होने के बाद से ही, इन विभागों  
अतः भविष्य में कृपया ऐसे परीक्षण कार्य  
अनुसंधान संस्थान, रुड़की को उपयुक्त उक्त कार्य  
गोपनीयता से उत्पन्न करना भी उचित होगा कि  
मुक्तमयी परीक्षण के अंतर्गत आने के कारण यह  
उपयोग होने वाली समस्त निर्माण सामग्री तथा  
प्रत्येक आवश्यक है अन्यथा निर्माण सामग्री विशि  
की अपार हानि होने की सम्भावना बढ़ जायेगी।

उत्तराखण्ड राज्य के समस्त अभियन्त्रण विभागों के द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्य की  
सामग्री विशिष्टकर मृदा परीक्षण एवं अन्य निर्माण  
परीक्षण/जांच निष्पन्न विभाग से कराये जाय।

निर्देश प्रदान करने का कष्ट कर।

संख्या F 442 / 1, 2007 12/04, 03 पं.दि. 17

श्रीमान सायब, माओ राज्य मंत्री, सिवाई  
के सजान्नाथ।

उत्तराखण्ड।  
गार्ड फाईल।  
एजेंसी नगर निगम/नगर पालिका/विकास प्राधिकरण  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,



(टीकम सिंह पवार)  
संयुक्त सचिव





- 9- रीकत की जा रही धनराशि का कल्याण से आहरण तब ही किया जायेगा जब वर्ष 2005-06 लाभान्वित होने वाले परिवारों का विवरण समाप्त कल्याण नियोजन प्रकल्प को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय व्ययक के अनुदान सन्ध्या 30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा आयोजनागत की सलग्नक में उल्लिखित मुरगत गा 11 के नामों डाला जायेगा।

2- यह आदेश वित्त विभाग के अधीनस्थ सन्ध्या - 498, XXXVII(2), 2006, दिनांक 22 दिनांक 2006 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।  
सलग्न- यथोक्त।

भवदीय

(डॉ० एम०सी० जोशी)  
अपर सचिव

सन्ध्या - 9  
सन्ध्या - 1/2007-03(1)/28.06, तददिनांक

विभागीय निम्नलिखित को सूचनार्थक आवश्यक कार्यवाही हेतु पोषित

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- 3- सामस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री के सज्ञान में लाने हेतु।
- 6- सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री के सज्ञान में लाने हेतु।
- 7- सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री के सज्ञान में लाने हेतु।
- 8- सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री के सज्ञान में लाने हेतु।
- 9- सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री के सज्ञान में लाने हेतु।
- 10- विभागीय आदेश पुस्तिका हेतु।

आज्ञा से,



(एम०एम० सेमवाल)

अनु सचिव

59

संस्कृत-भाषायां चतुर्थः पाठः

धनराशि

2



[illegible]
$$\frac{1}{\Gamma(\alpha)} \int_0^t (t-s)^{\alpha-1} f(s) ds = \int_0^t \frac{(t-s)^{\alpha-1}}{\Gamma(\alpha)} f(s) ds$$

क्र.सं.	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
1	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
2	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
3	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
4	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
5	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
6	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
7	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
8	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
9	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक
10	प्रश्न	उत्तर	वर्ग	अंक	कुल अंक

2

Geometric Mean

$\text{G.M} = \sqrt[5]{109.7}$

$= 2.26$

7

$$\frac{1}{2} \frac{d}{dt} \left( \frac{1}{2} \frac{d}{dt} \right)$$
[illegible]

$\frac{d}{dt} \left( \frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

## उत्तराखण्ड शासन

### चिकित्सा अनुभाग 2

संख्या : ८१ /अट्ठाईस-2 2007 190/2007

देहरादून: दिनांक 25 जनवरी, 2007

### कार्यालय ज्ञाप

गणद्वारा श्री राज्यपाल महादय डा0 आर0सी0 आर्या सेवानिवृत्त महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून को शासनादेश सं0 म 4 392/दम 99 203 86, दिनांक 01 जुलाई 1999 के अन्तर्गत उनके स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के दिनांक 15.12.2006 को उनके अवकाश लेखों में अर्जित 300 दिन के उपार्जित अवकाश के नकदोकरण की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। डा0 आर्या के अवकाश लेखों में जमा अर्जित अवकाश के लिये नियमानुसार अनुमन्य अवकाश वतन और सेवानिवृत्त के दिनांक का महंगाई भत्ता की प्रभावी दरों के अनुसार उस अवकाश वतन पर प्राप्त होने वाला महंगाई भत्ता के योग के बराबर की धनराशि प्राप्त होगी। उक्त अवकाश नकदीकरण में डा0 आर्या को पसंतोय भत्ता/नगर पतिकर भत्ता/मकान किराया भत्ता आदि अन्य हैं।

मंजुल कुमार जोशी

अपर सचिव

संख्या : ८१ (१) /अट्ठाईस 2 2007 190/2007, तददिनांक।

प्रतिनिधि निम्नलिखित का सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित,

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तराखण्ड, देहरादून
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- सम्बन्धित सेवानिवृत्त अधिकारी द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5- गार्ड फाईल/एन0आईसी0।

आज्ञा से



(अतर सिंह)

उप सचिव।

20/11/1941 - 100 - 2

संवा में,

न्याय अनुभारा : 2

देहरादून : दिनांक २५ जनवरी, 2007

विभाग: वित्तीय वर्ष २०२०-२०२१ के लिए अनुमानित व्यय का विवरण  
महोदय,

का कष्ट करें।

2. इस मंत्रालय में शामिलनादेश संख्या 3/2011-2016 दिनांक 10/10/2011 के अन्तर्गत में भुक्ताना सहन का निर्देश हुआ है कि विज्ञापन क्र. 2006-11 में मद संख्या 36 का प्रावधान संख्या 60/0000-3 मान्य जगह मान्य है। अतः प्रमाणित धनगत। प्रमाणित दिनांक 10/10/2011 दिनांक 10/10/2011 अधीन महामहिम राज्यपाल महर्ष प्रदान करते हैं :-

1. यह प्रत्येक नगर क्षेत्र के लिए एक ही मान प्रयुक्त होगा 3. 5 मा. दम 4. विद्युत प्रणाली

करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय ।

2.  $\frac{1}{x^2} = x^{-2}$   $\frac{d}{dx} x^{-2} = -2x^{-3} = -\frac{2}{x^3}$   $\frac{d}{dx} \frac{1}{x^2} = -\frac{2}{x^3}$

[illegible]

प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भावदीय

( अरु०डो०पालीवाल )

संज्ञितः ।

संख्या : 7-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1 दो(6)/06 तद्दिनांक

प्रतिष्ठित 'प्रज्ञाप्रिय' पुस्तक को मूल रूप से एक संस्कृत + अंग्रेजी का ग्रन्थ  
महाप्रज्ञाप्रिय, 'प्रज्ञा' एवं 'प्रज्ञा' नामक पुस्तक महाप्रज्ञा प्रज्ञाप्रिय

- 2- वरिष्ठ कायाधिकारी, नैनीताल ।
- 3- वित्त अनुभाग 5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड क्व ।

आन्ना सें

( आलोक कुमार वर्मा )

अपर सचिव ।



खल निदेशालय, उत्तराखण्ड  
देहरादून।

पत्र सं. 1759/प्र.सं.स.अ.प. 2006-2007 तृतीय दिनांक 9F अक्टूबर 2017

जिला क्रीडा अधिकारी  
देहरादून।

विषय - प्रदेशीय क्रीड़ा संघों, क्लबों एवं अन्य क्रीड़ा संघों आदि को प्रतियोगिता के आयोजन हेतु धनराशि उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

चानू दिन्मिय गे 2006-2007 क अनुदान मख्य +1 क लेटाशीय 2294  
खेलकूद तथा युवा सेवा 104 खेलकूद "12 प्रदेशीय क्रीडा सघों, क्लबो एव अन्य क्रीडा सघों  
को प्रायोगिता आयोजन करने एव खेलकूद उपस्कर क्रय हेतु अनावर्तक अनुदान 20 सहायक  
अनुदान / अशदान / राज सहायता" के अधिनस्थ न. प्र. सं. 15/1/2007  
की तारीख से 19 जनवरी 2007 तक प्रत्येक वर्ष के मध्य में एक बार  
प्रत्येक वर्ष की राशि रु. 500 लाख से कम होनी चाहिए।

[illegible]

अनुदान अथवा "12 प्रदेशीय क्रीडा संघों वलबों एवं अन्य क्रीडा संघों को प्रतियोगिता आयोजन करने एवं खेलकूद उपस्कर क्रय हेतु अनावर्तक अनुदान 20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता" नाम के अंतर्गत म.प्र. शासन की ओर से रु. 50 लाख का धनराशि आर्थिक वर्ष 2017-18 में आवंटित है।

(अमिताभ श्रीवास्तव)  
निदेशक खेल

उत्तराखण्ड शासन

## ऊर्जा विभाग

संख्या ८८८/२००७-०२(३)/११/२००३.

देहरादून: दिनांक: २५ जनवरी, 2007

## अधिसूचना

अधिसूचना संख्या 751364/0230/11/2003 दिनांक 01.11.2004 का अधीक्षण करते हैं।

विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 की तद्विधि 2, द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करके उक्त धारा व अधिनियम के तहत बिजली निगम लिमिटेड प्रो. मारवाड़ा को प्राधिकृत किए जाने की श्री रा. गणपाल सहस्र, को प्रदान करते हैं:-

के अधिकारी।

2. अतिरिक्त पाठ्य प्रयोगों के द्वारा स्वतंत्र या शास्त्रों में दी गई पुनर्निर्माण प्रणाली के द्वारा उच्च स्तर के अधिकारी।

आज्ञा से,

(इन्दु कुमार पाण्डे)  
अपर मुख्य सचिव

संख्या: १२००७०२(३) ११२००३, तदिनांक ।

नि. प्रियं : वृत्तार्थ : अ. प्र. क. कार्य नहीं है। प्रमा

1. विशेष विषय विवरण

2. श्रीरामचन्द्रजीभक्त श. उत्तराखण्ड।

१ 'साचेक' उत्तराचल विद्युत नियामक आयोग, उत्तराखण्ड।

4. अथवा प्रत्यक्ष विपणन द्वारा उपभोक्ता को उपलब्ध कराना किन्तु उपभोक्ता को उपलब्ध कराने में निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए-

5- प्रदत्त तालिका के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रमाण संख्या: ३८४७८८ नं. १२३ दि. १०/०८/२०२०

३. गोपनीयता का अर्थ है कि जो व्यक्ति या संस्था किसी व्यक्ति या संस्था के बारे में जानकारी रखती है, उसे यह जानकारी गोपनीय रखनी चाहिए।

गणार्थ ०-३५०००० सांख्यिकी १९५५-५६

ने देश में व आने से पहले लेना प्रस २००० रु. को अग्रेसरी भूवाद की प्रति सहित डम अनुरोध से राश दिया है के अति, भूवाद ३० रु. के आगामी अक म प्रकाशन कर 50 प्रति ३ रु. के उपलब्ध करायी जायें।

10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(डा० एम०सी० जोशी)  
अपर सचिव


In pursuance of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 555/2007-02(3)/11/03 dated 24 January, 2007 for general information.

GOVERNMENT OF UTTARAKHAND  
DEPARTMENT OF POWER  
NO. 555/2007-02(3)/11/03  
Dehradun: Dated: 24 January, 2007

NOTIFICATION

In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 135 of the Electricity Act, 2003 the Governor is pleased to authorize following officers to investigate take action under the said section by supersession of notification no. 75/V/2004-02(3)/11/2003, dated: 01.11.2004:-

- 1- Assistance Engineer Sub divisional officer or officers higher than these in the Uttaranchal Power Corporation Ltd
- 2 Deputy SP and officer not lower than this posted in Police Vigilance Section, in the Uttaranchal Power Corporation Ltd.

By order,  
  
(Indu Kumar Pande)  
Additional Chief Secretary



उत्तराखण्ड शासन

गृह अनुभाग-5

संख्या-1277/XX(5)/06-169स्व0सं0से0/05

देहरादून: दिनांक 15 जनवरी, 2007

कार्यालय ज्ञाप

अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री डूंगर सिंह बिष्ट, मा0 उपाध्यक्ष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी कल्याण परिषद द्वारा पदीय कर्तव्यार्थ सरकारी वाहन संख्या- यू0ए0-07एन/0572 को चलाने के लिए अपने स्तर से वाहन चालक के पद पर माह नवम्बर, 2006 में श्री बिलास अली पुत्र स्व0 मो0 हुसैन को नियुक्त कर उन्हें रु0-5000/- भुगतान किया गया है तथा माह दिसम्बर, 2006 में श्री हरीश शर्मा पुत्र स्व0 भगवान दास शर्मा को नियुक्त कर उन्हें रु0-4600/- का भुगतान किया गया है। अतः श्री राज्यपाल महोदय विशेष परिस्थिति में उक्त कुल धनराशि रु0-9600/- (रुपये नौ हजार छः सौ मात्र) की प्रतिपूर्ति का भुगतान श्री डूंगर सिंह बिष्ट, मा0 उपाध्यक्ष को किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-15 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2251-सचिवालय सामाजिक सेवायें-00- आयोजनेत्तर-092-अन्य कार्यालय-06-स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी कल्याण परिषद की मानक मद 42-अन्य व्यय के नामे खाला जायेगा।

एस0एस0टोलिया  
अनु सचिव।

संख्या-1277(1)/XX(5)/06-169स्व0सं0से0/05, तदिदनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबेराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, लेखा विभाग, सचिवालय प्रशासन विभाग, उत्तराखण्ड शासन को 2 अतिरिक्त प्रतियों में।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- श्री डूंगर सिंह बिष्ट, मा0 उपाध्यक्ष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी कल्याण परिषद।
- 5- गार्ड फाईल।
- 6- एन.आई0सी, सचिवालय परिसर।

आज्ञा से,  
(एस0एस0टोलिया)  
अनु सचिव।

उत्तराखण्ड शासन

गृह अनुभाग-5

संख्या-1273/XX(5)/06-169स्व0सं0से0/05

देहरादून: दिनांक 15 जनवरी, 2007

**कार्यालय ज्ञाप**

अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निदेश हुआ है कि गोपन विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-867/29/1/3/XX1/2005सी.एक्स. दिनांक 23-11-2005 के अन्तर्गत श्री डूंगर सिंह बिष्ट, मा0 उपाध्यक्ष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी कल्याण परिषद द्वारा अपने स्तर से उन्हें आवंटित सरकारी वाहन संख्या-यू0ए0-07एन/0572 हेतु कय किये गये पेट्रोल व्यय, माह नवम्बर, 2006 में 150 लीटर रु0-7294/- एवं दिसम्बर, 2006 में 150 लीटर रु0-6969/- अर्थात्, कुल धनराशि रु0-14263/- (रुपये चौदह हजार दो सौ तिरसठ मात्र) की प्रतिपूर्ति का भुगतान श्री डूंगर सिंह बिष्ट, मा0 उपाध्यक्ष को किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-15 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2251-सचिवालय सामाजिक सेवाएँ-00-आयोजनेत्तर-092-अन्य कार्यालय-06-स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी कल्याण परिषद की मानक मद 15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल खरीद के नामे डाला जायेगा।

एस0एस0टोलिया

अनु सचिव।

संख्या-1273(1)/XX(5)/06-169स्व0सं0से0/05, तदिदनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबेराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, लेखा विभाग, सचिवालय प्रशासन विभाग, उत्तराखण्ड शासन को उपरोक्त मूल बीजकों सहित 2 अतिरिक्त प्रतियों में।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- श्री डूंगर सिंह बिष्ट, मा0 उपाध्यक्ष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी कल्याण परिषद।
- 5- गार्ड फाईल।
- 6- एन.आई.सी., सचिवालय परिसर।

अज्ञा से,

(एस0एस0टोलिया)

अनु सचिव।



प्रेषक :

डॉ० एम०सी० जोशी,  
अपर सचिव (ऊर्जा),  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

1. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लि०,  
देहरादून।
2. प्रबन्ध निदेशक,  
पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन ऑफ उत्तरांचल लि०,  
देहरादून।
3. प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तरांचल जल विद्युत निगम लि०,  
देहरादून।

ऊर्जा विभाग :

विषय :- उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लि०, पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन ऑफ उत्तरांचल लि० एवं उत्तरांचल जल विद्युत निगम लि० के निदेशक मण्डल में अंशकालिक निदेशक नामित करने के सम्बन्ध में।

देहरादून : दिनांक : 24 जनवरी, 2007

महोदय,

उपरोक्त विषयक के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेशक हुआ है कि श्री इन्दु कुमार पाण्डे, तत्कालीन प्रमुख सचिव, वित्त के स्थान पर श्री आलोक कुमार जैन, प्रमुख सचिव, वित्त को उक्त निगमों में शासन के प्रतिनिधि के रूप में अंशकालिक निदेशक नामित करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

उपरोक्त के अतिरिक्त भविष्य में जब भी वित्त विभाग का कार्यभार नये प्रमुख सचिव द्वारा ग्रहण किया जायेगा तो वे स्वतः ही उक्त निगमों में शासन के प्रतिनिधि के रूप में अंशकालिक निदेशक नामित रहेंगे।

भवदीय,



(डॉ० एम०सी० जोशी)

संख्या : 547 /1/2006-05/34/2003, तददिनांक



